भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1698
10 फरवरी, 2026 को उत्तर के लिए

तेलंगाना में पीएमएमएसवाई

1698. डॉ. कडियम काव्य:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत तेलंगाना को स्वीकृत और जारी की गई निधि का वर्षवार ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त योजना के अंतर्गत तेलंगाना में निर्मित/सुदृढ़ की गई मत्स्यपालक अवसंरचना, जिसमें हैचरी, मछली चारा मिल, शीतागार श्रंखला, फिश लैंडिंग केंद्र और अन्य सुविधाएं शामिल हैं, का जिलावार ब्यौरा क्या है; और

(ग) तेलंगाना में उक्त योजना के अंतर्गत शामिल किए गए लाभार्थियों की वर्षवार और जिलावार संख्या कितनी है;

(घ) सरकार द्वारा तेलंगाना में मत्स्यपालकों की आय में सुधार लाने के लिए उत्पादकता बढ़ाने, आदान लागत कम करने और बाजार संबंधों को मजबूत करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) और (ख): मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार 2020-21 से तेलंगाना राज्य सहित सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) को कार्यान्वित कर रहा है। मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार ने PMMSY के तहत राज्य में इंफ्रास्ट्रक्चर सहित मात्स्यिकी और जलकृषि के विकास के लिए 68.14 करोड़ रुपए केंद्रीय शेयर के साथ 196.80 करोड़ रु/- की कुल लागत पर तेलंगाना सरकार के प्रस्तावों को स्वीकृति दी है। गत तीन वर्षों के दौरान PMMSY के तहत तेलंगाना को स्वीकृत और जारी किए गए फंड का वर्षवार विवरण अनुबंध- । में प्रस्तुत किया गया है, और PMMSY के तहत तेलंगाना में सृजित/सुदृढ़ किए गए मात्स्यिकी इन्फ्रास्ट्रक्चर अनुबंध- II में प्रस्तुत किया गया है।

(ग): तेलंगाना सरकार ने सूचित किया है कि सभी 33 जिलों में 4,54,432 लाभार्थियों को PMMSY योजना के तहत कवर किया गया है।

(घ) PMMSY के तहत मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार ने उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने तथा इनपुट लागत कम करने के उद्देश्य से तेलंगाना सरकार के लिए विभिन्न गतिविधियों को स्वीकृति दी है। इनमें शामिल हैं: (i) 21 नए ताजे पानी की फिनफिश हैचरी की स्थापना, (ii) इनपुट सहायता के साथ 824 हेक्टेयर ग्रो-आउट तालाबों का विकास, (iii) 1.4 लाख हेक्टेयर जलाशयों में फिंगरलिंग्स का स्टॉकिंग, (iv) 11 रीसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (RAS) यूनिट्स की स्थापना, और (v) जलाशयों में 89 केज कल्चर यूनिट्स की स्थापना। इसके अलावा, मार्केट लिंकेज को सुदृढ़ करने के लिए, मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार ने तेलंगाना सरकार के लिए विभिन्न गतिविधियों को स्वीकृति दी है, जिसमें शामिल हैं (i) हैदराबाद में एक अत्याधुनिक होलसेल फिश मार्केट की स्थापना, (ii) 185 फिश कियोस्क यूनिट्स की स्थापना, (iii) लाइव फिश वैंडिंग सेन्टर्स की स्थापना – 2 यूनिट, (iv) इंसुलेटेड वेहिकल की व्यवस्था – 6 यूनिट और (v) आइस बॉक्स के साथ 500 मोटरसाइकिलों का प्रावधान। इसके अतिरिक्त, मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार ने तेलंगाना के मांचेरियल ज़िले में मुर्रेल उत्पादन और प्रसंस्करण के लिए एक समर्पित क्लस्टर अधिसूचित किया है, जिसका उद्देश्य मुर्रेल उत्पादन को बढ़ाना, उत्पादकता में सुधार करना तथा बाज़ार संपर्क को सुदृढ़ करना है।

****

अनुबंध-I

तेलंगाना में PMMSY के संबंध में 10 फरवरी, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1698 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित विवरण - PMMSY के तहत तेलंगाना को विगत तीन वर्षों के लिए स्वीकृत और जारी किए गए फंड का वर्षवार विवरण::

(रुपए लाख में)

क्रम सं	**वर्ष**	**कुल परियोजना लागत**	**केंद्रीय शेयर**	**जारी फंड**
(i)	**(ii)**	**(iii)**	**(iv)**	**(v)**
1	2022-23	8276.01	3759.63	0.00
2	2023-24	7252.88	1979.99	397.36
3	2024-25	4151.5	1075.2	937.18
	कुल	**19680.39**	**6814.82**	**1334.54**

****

अनुबंध-II

तेलंगाना में PMMSY के संबंध में 10 फरवरी, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1698 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित विवरण - PMMSY के तहत तेलंगाना में निर्मित फिशरीज़ इंफ्रास्ट्रक्चर का ज़िलेवार विवरण:

क्रम सं	गतिविधि	ज़िला	यूनिट
(i)	(ii)	(iii)	(iv)
1	फिश सीड हैचरी की स्थापना	हनुमानकोंडा	1
		जगित्याल	1
		पेद्दापल्ली	1
		नलगोंडा	2
		निर्मल	2
2	रीसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम/बायोफ्लॉक।	आदिलाबाद	1
		मेडक	1
		नलगोंडा	1
		संगारेड्डी	1
		सूर्यापेट	1
		यादाद्रि	1
3	मिनी फिश फीड मिल्स	जयशंकर	1
		भूपल्लपल्ली	1
		सूर्यापेट	1
4	लाइव फिश वैंडिंग सेन्टर्स	नलगोंडा	2

****